रजिस्ट्री सं० डी-222 (B) REGISTERED No D-222

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 38] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 20, 1969 (भाद्र 29, 1891)

No. 38] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 20, 1969 (BHADRA 29, 1891)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस
(NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 6 सितम्बर 1969 तक प्रकाशित किये गये हैं :—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 6th September 1969 :

अंक (Issue No.)	संख्या और तिथि (No. and Date)	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)

—Nil—

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुँच जाने चाहिएं।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय-सूची (CONTENTS)

	पृष्ठ
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . .	671
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . .	1069
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . .	—
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . .	929
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्ट	—
भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्र के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	2973
भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	4003
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	443
भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं .	873
भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें .	353
भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं .	97
भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं .	529
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें . .	175
पूरक संख्या 38—	
13 सितम्बर 1969 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट	1621
23 अगस्त 1969 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म, तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़ें .	1635

	Page
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	671
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1069
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	929
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules, (including orders, bye-laws, etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	2973
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	4003
PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	443
PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	873
PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta..	353
PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	97
PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	529
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	175
SUPPLEMENT No. 38—	
Weekly Epidemiological Reports for week-ending 13th September 1969 ..	1621
Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 23rd August 1969	1635

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1969

सं० 48-प्रेज/69—राष्ट्रपति आसाम पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

1. श्री फटिक चन्द्र गोगोई
   पुलिस उप-निरीक्षक,
   4 आसाम पुलिस बटालियन,
   आसाम ।
2. श्री कमलेश्वर बोरा,
   नायक,
   4 आसाम पुलिस बटालियन,
   आसाम ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया :

12 दिसम्बर, 1968 को यूनाटेड मिकिर और उत्तर कचार पहाड़ी जिले के खागांव सीमा बाह्य चौकी में सूचना प्राप्त हुई कि आधुनिक स्वचालित शस्त्रों से लैस, लगभग 200 विद्रोहियों का एक गिरोह सीमा पार करके पाकिस्तान को जाने वाला है। उप-निरीक्षक फटिक चन्द्र गोगोई विद्रोहियों को रोकने के लिये 2 हवलदार और 19 कांस्टेबलों की एक गश्ती टुकड़ी के साथ शीघ्र रवाना हुये। पुलिस दल गोपीकोट गांव के पश्चिम की ओर 17-15 से 22-15 बजे तक घात में बैठा रहा जब कहीं गिरोह उस ओर आता दिखाई दिया। जब गिरोह पुलिस दल की गोली-बारी की परास में आ गया तो उप-निरीक्षक गोगोई ने नायक कमलेश्वर बोरा को गोली चलाने का आदेश दिया। विद्रोहियों ने जवाब में गोली चलाई और जमकर मुठ-भेड़ हुई। अंधेरे के आवरण में एक विद्रोही छुपकर पुलिस दल की ओर बढ़ा और नायक बोरा को गोली मारने ही वाला था कि उसने विद्रोही को देख लिया। नायक बोरा ने तुरन्त अपनी स्टैन-गन का मुंह उस ओर कर दिया। परन्तु यांत्रिक खराबी के कारण जब स्टैन-गन से गोली नहीं चली तो वे हिम्मत के साथ विद्रोही की ओर लपके और स्टैन-गन उस पर दे मारी। नायक बोरा ने विद्रोही की राइफल छीन ली। इसी बीच उप-निरीक्षक गोगोई नायक की सहायता को आये और विद्रोही से गुथ गये। परन्तु विद्रोही अपने को मुक्त करने में सफल हो गया और एक कन्दरा में कूद कर भाग निकला। इस प्रकार विद्रोही पीछे हट गये और उनके पाकिस्तान जाने की योजना विफल हो गयी।

संख्या में अधिक सशस्त्र विद्रोहियों के गिरोह से इस मुठभेड़ में उप-निरीक्षक फटिक चन्द्र गोगोई तथा नायक कमलेश्वर बोरा ने असाधारण साहस एवं उच्चस्तर की वीरता का प्रदर्शन किया।

2. ये तदक राष्ट्रपति के पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 12 दिसम्बर, 1968 से दिया जायेगा।

सं० 49-प्रेज/69—राष्ट्रपति दिल्ली पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस तदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री सरदार सिंह,
कांस्टेबल, संख्या 377/सुरक्षा,
दिल्ली पुलिस,
दिल्ली।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया :

7 नवम्बर, 1966 को कांस्टेबल सरदार सिंह, कांग्रेस अध्यक्ष श्री कामराज के निवास स्थान जन्तर मन्तर रोड, नई दिल्ली पर सुरक्षा गार्ड ड्यूटी पर थे। लगभग 2 बजे अपराह्न कुछ सत्याग्रही, जो लाठी, पटाखों एवं दाहकों से लैस थे एवं उपद्रव पर आमादा थे, उस ओर से जाने वाले जलूस से अलग हो कर ज़बरदस्ती उस अहाते में घुस आये। कांस्टेबल सरदार सिंह ने साहस के साथ अकेले ही उपद्रवियों को दूर रखने के लिए संघर्ष किया परन्तु वे पूरी भीड़ को नियंत्रित नहीं कर सके। उनमें से कुछ ने जाकर श्री कामराज के मकान के एक भाग में आग लगा दी। खतरनाक स्थिति के बावजूद भी कांस्टेबल सरदार सिंह अपने स्थान पर निष्ठा के साथ तब तक जमे रहे जब तक कि पुलिस कुमुक न पहुंच गई और इस प्रकार श्री कामराज की रक्षा की।

कांस्टेबल सरदार सिंह ने अपने जीवन के लिये महान खतरा होने पर भी आक्रामक एवं उपद्रवी भीड़ का सामना करने एवं उससे निबटने में उच्च कोटि की कर्त्तव्य परायणता एवं उदाहरणीय साहस का परिचय दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 7 नवम्बर, 1966 से दिया जायेगा।

दिनांक 11 सितम्बर 1969

सं० 50-प्रेज/69—आज तक संशोधित इस सचिवालय की अधिसूचना संख्या 11-प्रेज/68, दिनांक 28 फरवरी, 1968 में

प्रकाशित पूर्वसा-सारणी में राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित निम्नलिखित संशोधित सामान्य सूचना के लिए प्रकाशित किये जाते हैं :—

(क) **क्रम संख्या 19 में**

"†भारत के प्रथम श्रेणी के राजदूत (भारत आये हुए)" और

"†भारत के प्रथम श्रेणी के उच्चायुक्त (भारत आए हुए) तथा" प्रविष्टियां हटादें।

(ख) **क्रम संख्या 28 में**

"†भारत के प्रथम तथा द्वितीय श्रेणी के राजदूत तथा उच्चायुक्त (भारत आए हुए)" की प्रविष्टि के स्थान पर "भारत के प्रथम वर्ग के राजदूत और उच्चायुक्त" प्रविष्टि जोड़ दें।

(ग) **क्रम संख्या 30 में**

"भारत के तृतीय श्रेणी के राजदूत और उच्चायुक्त (भारत आए हुए)" की प्रविष्टि के स्थान पर "भारत के द्वितीय वर्ग के राजदूत और उच्चायुक्त (भारत आए हुए)" प्रविष्टि जोड़ दें।

(घ) **क्रम संख्या 32 में**

"श्रेणी" शब्द के स्थान पर "वर्ग" शब्द को जोड़े।

(च) वर्तमान नोट 5 के स्थान पर निम्नलिखित पढ़ा जाए :—

"जब कोई राजदूत/उच्चायुक्त, अपने प्रत्यायित देश के राज्य/सरकार के प्रधान के साथ भारत आए तो विदेश मंत्रालय उसे उच्चतर पद दे सकता है जो कि क्रम संख्या 19 से ऊपर न हो"।

सं० 51-प्रेज/69—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्ति को, अपने जीवन को महान संकट की परिस्थितियों में डालकर, विशिष्ट साहस प्रदर्शन करने के लिए, सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

श्री कुल्लुपुराकल कुट्टी
पुरुषोत्तमन् उर्फ गोपी दास,
कल्लुपुराकल हाऊस, कन्नडी पुरी,

चेन्नामकरी गांव, कुट्टानड तालुक (केरल) **(मरणोपरान्त)**

3 जुलाई, 1968 की शाम को श्री के०के० पुरुषोत्तमन् उर्फ गोपी दास अपनी देशी नाव में 21 मजदूर स्त्रियों को बैठाकर कुट्टानाड तालुक के आर ब्लाक कायल (झील) से पार ले जा रहे थे। उस दिन जोर की वर्षा हुई थी जिससे नदियों में बाढ़ आ रही थी। लगभग 5—30 बजे एक भारी तूफान आया और कायल में बहुत उच्ची लहरें उठने लगी। नौका को बड़ी कठिनाई और निपुणता से बचाया जा रहा था और जब श्री गोपीदास ने नौका को किनारे पर लगाने के लिये चलाने का प्रयत्न किया तो नाव चेन्नामकरी गांव के पास उलट गई। नौका में श्री गोपीदास ही एक मात्र पुरुष थे। अकेले ही वे 18 औरतों को बचाने तथा उन्हें किनारे पर लाने के सफल हुये। वे पुनः पानी में गये और अपने जीवन के लिये प्रत्यक्ष खतरे की परवाह किए बिना शेष तीनों को ढूंढने का अथक प्रयत्न किया। ऐसा करते हुए उन्होंने अपने जीवन की बलि दे दी।

श्री गोपीदास के शौर्यपूर्ण प्रयत्नों ने 18 मजदूर स्त्रियो के जीवन को बचाया और उनके द्वारा बाद में नौका पर सवार शेष तीन यात्रियों को बचाने के लिये किया गया प्रयत्न एक महान उत्कृष्ट साहस तथा कर्त्तव्यनिष्ठा का कार्य था।

सं० 52-प्रेज/69—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को अपने जीवन को अत्यन्त संकट की परिस्थितियों में डालकर साहस तथा तत्परता प्रदर्शन करने के लिए, उत्तम जीवन रक्षा पदक प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. श्री कौंडा सत्यनारायण,
पर्यवेक्षक, सं० 3, उप-विभाग,
सामग्री विभाग, श्री सैलम परियोजना,
जिला कुरनूल, आंध्र प्रदेश।

1968 में कृष्णा नदी के समीप श्रीसैलम परियोजना की नींव की खुदाई के दौरान पानी निकालने के लिए अनेक पम्प लगाये गए थे। 70 से 80 फीट की गहराई में खुदाई की जा रही थी। चूंकि पम्पों में बार-बार रेत भर जाती थी इसलिए मोपला मजदूर पानी में 6 फुट की गहराई में डुबकी लगा कर रेत को निकालने में व्यस्त थे। 4 मई 1968 को बिजली के झटके के कारण एक मजदूर बेहोश हो गया और पम्प के कुंए में डूब रहा था। उसके साथी मजदूर ने उसको बचाने के लिए बढ़ते हुए पानी में घुसने का साहस नहीं किया। इसको देखते हुये श्री कौन्डा सत्यानारायण ने जो परियोजना के एक पर्यवेक्षक थे पम्प के कुंए में छलांग लगा दी और मजदूर को बाहर निकाला और उसकी जान बचाई।

अपने साथी मजदूर के जीवन को बचाने में श्री सत्यानारायण ने उत्कृष्ट साहस तत्परता तथा बुद्धिमता दिखाई। उन्होंने अपने जीवन को संकट की परिस्थितियों में डालकर शौर्यपूर्ण कार्य किया।

2. श्रीमती बचन देवी
पत्नी श्री बाग सिंह
गांव भेंट सेम (नारायणकोटी)
डाकखाना गुप्तकाशी
तहसील उखीमठ, जिला चमोली, उत्तर प्रदेश।

11 फरवरी 1968 को श्रीमती सोबती, श्रीमती रुकमणी और श्रीमती सरोदनी लकड़ी के पुल को, जोकि नदी के दूसरे किनारे से घास व ईंधन लाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था पार करते हुए अचानक मन्दाकिनी नदी में गिर गईं। नदी चट्टानों के बीच में बड़े वेग से बह रही थी और पानी बर्फ जैसा ठंडा था। श्रीमती बचन देवी जो अनायास ही पुल के पास मौजूद थी तैरना न जानते हुए भी पानी में कूद पड़ी और श्रीमती सोबती तथा श्रीमती रुकमणी को बाहर निकाल लाई। उन्हें सुरक्षित स्थान पर छोड़ वे तीसरी महिला श्रीमती सरोदनी को बचाने के लिए लिए नदी के किनारे-किनारे दौड़ी किन्तु तब तक वह वेगवती धारा में लुप्त हो चुकी थी। श्रीमती रुकमणी की हालत चिन्ताजनक थी और जबकि श्रीमती बचन देवी उसको अपनी पीठ पर धर ले जा रही थीं तो उसकी मृत्यु हो गई। श्रीमती बचन देवी ने अपनी परवाह किए बिना अपने जीवन को संकट में डालकर यह दया का कार्य किया।

3. श्री भागीरथ प्रसाद राय
गांव सिलपाड़ा डाकखाना सूरी
जिला बीरभुम पश्चिम बंगाल ।

26 अगस्त 1967 को लगभग 5 बजे शाम को दो संथाल युवतियों ने जो बीरभुम जिले में कुये नदी के समीप एक खेत में पौद लगा रही थीं धान की पौद के कुछ ढेर नदी में बहते हुए देखे । लड़कियां बहते हुए धान की पौद के ढेर को पकड़ने के अपने प्रयत्नों में बाढ़ के पानी की धारा में फंस गई और बहने लगीं । श्री भागीरथ प्रसाद राय तथा स्थानीय कालिज के अन्य विद्यार्थियों ने जो अपराह्न सैर पर थे, युवतियों को बाढ़ के पानी में बहते हुए देखा । श्री राय तत्काल नदी के किनारे पर गए उन्होने नदी में छलांग लगाई तथा लगभग 15 गज तैरने के पश्चात् युवतियों में से एक के पास पहुंच गये जिसने उनसे लिपटने का अनियंत्रित प्रयत्न किया था । अत्यन्त स्फूर्ति तथा उत्साह के साथ वे उस युवती को किनारे पर लाने में सफल हुए । युवती को किनारे पर डाल कर श्री राय ने पुनः पानी में गहरी डुबकी लगाई और दूसरी लड़की को ढूंढने का अथक प्रयत्न किया तथा महान प्रयत्न के पश्चात् उन्होंने उस युवती को पकड़ लिया और उसे किनारे पर ले आये । तब तक युवती बेहोश हो चुकी थी किन्तु प्राथमिक-चिकित्सा के पश्चात् वह बच गई । यदि श्री राय ने उत्कृष्ट सहास का प्रदर्शन न किया होता तो दोनों युवतियां डूब गई होतीं ।

4. श्री गोपाल चन्द्र मजूमदार
इताचूना डाकखाना इताचूना
जिला हुगली (पश्चिम बंगाल) । **(मरणोपरान्त)**

16 नवम्बर 1966 को श्री गोपाल चन्द्र मजूमदार खानयान रेलवे स्टेशन से गुजर रहे थे तो उन्होने रेल की पटरी पर दो बच्चों को खेलते हुए देखा । एक गाड़ी तीव्र गति से बच्चों की ओर आ रही थी । श्री गोपाल चन्द्र शीघ्र आगे बढ़े और उनमें से एक को पटरी से निकालने में सफल हुये । परन्तु ऐसा करते हुए वे स्वयं गाड़ी से कुचले गए और मारे गये । श्री गोपाल चन्द्र ने बच्चों को बचाने के लिये शौर्यपूर्ण एवं साहसिक कार्य में अपने प्राणो का त्याग किया ।

5. कप्तान हरगुरदयाल सिंह (टी० ए० 40858)
हवेली सर देवा सिंह त्रिवेनी
पटियाला पंजाब । **(मरणोपरान्त)**

20 जून 1968 को कप्तान हरगुरदयाल सिंह अपने परिवार के सदस्यों एवं मित्रों के साथ पटियाला जाते हुए रास्ते में भाखड़ा नहर पर रुके । नहर के क्षेत्र का चक्कर लगाते हुये दल की एक सदस्या श्रीमती गुरबक्श कौर का दुर्भाग्यवश पैर फिसल गया और वह नहर में गिर गई । कप्तान हरगुरदयाल सिंह ने डूबती हुई महिला को बचाने के लिए तुरन्त नहर में छलांग लगा दी । दो बार उसे किनारे तक लाने में सफल होने पर भी वे वहां टिक नहीं सके क्योंकि नहर के किनारे सीमेन्टेड एवं एकदम ढलवे थे । तात्कालिक सहायता न पहुंचने के कारण दोनों पानी के तेज बहाव में बह गए और उनकी मृत्यु हो गई ।

इस प्रकार कप्तान हरगुरदयाल सिंह ने डूबती हुई महिला के जीवन को बचाने के प्रयत्न में अपने जीवन का महान बलिदान कर दिया ।

सं० 53-प्रेज/69—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को गम्भीर रूप से घायल होने का खतरा होते हुए भी जीवन रक्षा करने हेतु साहस एवं तत्परता का प्रदर्शन करने के लिए जीवन रक्षा पदक प्रदान कर अनुमोदन करते है :

1. श्री फ्रेन्सिसको एनटोनियो कारडोजो
मारफत बाबानी फार्मेसी पणजी गोआ ।

15 फरवरी 1969 की शाम को बहुत से लोग पणजी के म्यूनिसिपल बाग में कारनीवल उत्सव समारोह को देख रहे थे । बाग के एक कोने में एक कुआं था जो ऊपर से ढका हुआ था उसमें केवल पानी भरने के लिए 2—2 फुट का चौकोर छेद था जो खुला रह गया था । लगभग 6-54 बजे शाम को निजेल नामक एक पांच वर्षीय बालक जो कुंए के ऊपर खड़ा समारोह देख रहा था आनन्द विभोर होने के कारण पैर फिसल जाने से कुंए में जा गिरा । यद्यपि कुंए के चारों ओर भीड़ एकत्रित हो गई थी पर बालक को बचाने के लिए कुंए में कूदने का किसी को भी साहस न हुआ । श्री फ्रेन्सिसको एनटोनियो कारडोजो शोर गुल सुनकर वहां पहुंचे और शीघ्र ही उस छेटे खुले स्थान से इस तथ्य की परवाह किये बिना कि उनका दम भी घुट सकता है और अपने जीवन के लिए जोखिम उठाते हुए कुंए में कूद पड़े । यद्यपि कुंए में बिल्कुल अंधेरा था तो भी उन्होंने अपने शीघ्र एवं साहसिक कार्य से अपने जीवन के लिये महान संकट उठाते हुए बालक को बचा लिया ।

2. श्री ईश्वरभाई बेचरभाई पटेल
ग्राम नारिया ताल्लुक डाभोई
जिला बड़ौदा (गुजरात) । **(मरणोपरान्त)**

अगस्त 1968 में मूसलाधार वर्षा के कारण जिला बड़ौदा ताल्लुक डामोई गांव नारिया में तालाब का किनारा फट गया । ग्रामिणों के जान माल की रक्षा के लिए उन दरारों को तुरन्त बन्द करना परमावश्यक था । श्री ईश्वरभाई बेचरभाई पटेल ग्राम रक्षक दल (रूरल होम गार्डस) के उपनायक थे ने चुनौती को स्वीकार किया तथा अपने जीवन को गहरे संकट में डालकर दरारों को भरने में सहायता करने के लिए ढाई घंटे तक दरार से बहने वाली शक्तिशाली तथा तीव्र धारा में तब तक खड़े रहे जब तक कि वह गिर नहीं गए । उन्हें अचेत अवस्था में उनके निवास-स्थान पर ले जाया गया जहां दुर्भाग्य से उनकी मृत्यु हो गई । उन्होंने गांव वालों की जान माल के बचाने के साहसिक प्रयत्न में अपने जीवन की बलि दे दी ।

3. श्री अब्दुल ग़नी मलिक
गांव मलिक बेला, तहसील कुपवारा
जिला बारमूला कश्मीर ।

16 मार्च 1968 को जम्मू और कश्मीर में रिंगपेन स्थान में श्री अब्दुल ग़नी मलिक ने एक सिपाही को सहायता के लिए चिल्लाते सुना और वे तुरन्त उस स्थान पर गए । उन्होंने देखा कि एक मिलिटरी डाक्टर तेज़ बहने वाली पहाड़ी नदी की धारा में फंस गया और बहने लगा । उबड़ खाबड़ तल एवं बाढ़ वाले नदी के बर्फीले पानी से मृत्यु की संभावना के बावजूद श्री मलिक अपने जीवन की परवाह न करते हुए तब तक ठंडे पानी में डुबकियां लगाते तथा संघर्ष करते रहे जब तक कि वे डाक्टर के डूबे हुये शरीर से नहीं टकरा गए ।

उन्होंने शीघ्रता से उसे पकड़ लिया और एक सैनिक जवान की सहायता से उसे पानी से बाहर लाने में सफल हुए।

डाक्टर को बचाने के लिए श्री अब्दुल गनी मलिक ने अपने जीवन को अत्यधिक संकट में डाल कर साहस तथा तत्परता का परिचय दिया।

4. श्री इल्लीकल अगस्थी अगस्थी,
गांव पायाम और डेसोम इडोर,
डाकखाना पायाम वरास्ता इरीट्टी,
ताल्लुक तेलिचेरी (केरल)।

12 जुलाई, 1968 को लगभग 4-30 बजे शाम को जब कि सैंट सेबसटियन एल० पी० स्कूल, नेल्लिकेम्पोइल के विद्यार्थी घर वापिस आ रहे थे, बालसम्भा नाम की एक लड़की जंगली नाले पर पर बने पुल को पार करते हुए फिसल गई और पानी के तीव्र बहाव में बह गई। उस स्थान पर नाला दो पहाड़ियों के बीच में बह रहा था, जिसके किनारे चट्टानों वाले थे। मूसलाधार वर्षा के कारण बहाव बड़ा तेज था। अन्य बालकों के शोर को सुन कर श्री अगस्थी, जो बच्चों के पीछे आ रहे थे, अपने जीवन की परवाह किए बिना धारा में कूद पड़े। अत्यन्त कठिनाई से, वे धारा में लगभग 100 गज की दूरी से बालिका को तटपर लाने में सफल हो गए।

यदि श्री अगस्थी उत्कृष्ट साहस और तत्परता न दिखाते तो बालिका डूब गई होती।

5. श्री मत्तातिल वरुथू जोसेफ,
मत्तातिल वीडू, थेक्कम मलीपुरम,
कोचीन-1।

4 मार्च 1968 को केरल राजकीय सड़क परिवहन निगम के जल परिवहन अनुभाग की मोटर बोट "कोमलकुमारी" मट्टनचेरी के नौसेहण घाट से यात्रियों को अरनाकुलम ले जा रही थी। एक लड़की दुर्घटनावश फिसल गई और गहरे पानी में गिर गई। उस नाव के नाविक श्री एम० बी० जोसेफ एक दम पानी में कूद गए तथा उन्होंने अपने जीवन को अत्यधिक संकट में डाल कर लड़की को डूबने से बचा लिया।

3 जनवरी, 1966 को जब मोटर बोट "केरलकुमारी" मुरी-कुम्पडोम से अरनाकुलम जा रही थी, तो एक यात्री नौका पर चढ़ते समय फिसल गया और जल में गिर गया। यह देख कर श्री जोसेफ यरन्त पानी में कूद पड़े, और उन्होंने दूसरे मांझी की सहायता से यात्री को डूबने से बचाया। इसी प्रकार से 10 नवम्बर 1966 को जब मोटर बोट "लकी" मट्टनचेरी से वेलिंगटन द्वीप में तरमीनस घाट जा रही थी तो मांझी से कुछ दूरी पर एक छोटी नाव देखी जिसमे 6 यात्री तूफान की झपेट में आ गये थे और सभीजल में फंस गये थ। श्री जोसेफ तथा अन्य नाविकों ने तुरन्त दुर्घटना स्थल की ओर प्रस्थान किया और सारे यात्रियों को डूबने से बचाया।

क्रमश: जीवन बचाने के कार्यों में श्री जोसेफ ने उत्कृष्ट साहस का परिचय दिया।

6. श्री लुइयस टोमस,
"मेरी सदन" नलनचीरा,
त्रिवेन्द्रम।

30 अगस्त, 1968 को लगभग 6 बजे शाम को कंजीरामपारा हाऊस, नलनचीरा, त्रिवेन्द्रम की एक 75 वर्षीय स्त्री दुर्घटनावश अपने मकान के पीछे के कुंए में गिर गई। 12 वर्षीय श्री लुइयस टोमस ने, जो थोड़ी दूर पर खड़ा था, इसे देखा और कुंए की ओर भागा तथा उसे बचाने के लिए इसमें कूद गया। इसी बीच और लोग वहां आए और उस औरत को कुंए से निकालने में बालक की सहायता की। यदि श्री लुइयस टोमस ने साहस, तत्परता व बुद्धिमता का परिचय न दिया होता तो वह स्त्री डूब गई होती।

7. श्री शम्भूलिंगराज सोमप्पा पालेड,
सहायक कृषि अधिकारी,
बन्ध संधारण, द्वारा उप-मंडल भूमि संरक्षण कार्यालय,
धारवाड़।

2 अक्तूबर, 1966 को खंड विकास अधिकारी मुंदारगी, ई० ओ०, श्री वी० वी० तोतागन्ती और श्री एस० एस० पालेड ने दूसरे कर्मचारियों के साथ सरकारी काम से मुर्दीटांडा का दौरा किया। इसी दौरे के बीच श्रम अधिकारी श्री एच० आर० नायक, उनको अपने खेत पर ले गया जो कि मुर्दीटांडा से एक मील की दूरी पर था। लगभग 7 बजे रात को जब वे मुर्दीटांडा को वापिस लौट रहे थे, मूसलाधार वर्षा होने लगी। रास्ते मे उन्हें एक नाला पार करना था। श्री एस० एस० पालेड और श्री वी० वी० तोतागन्ती ने नाला पार कर लिया था, किन्तु श्री एच० आर० नायक के पिता और तीन बच्चे जो उनके पीछे चल रहे थे अचानक नाले की बाढ़ में फंस गये। श्री नायक के परिवार की चीख को सुनकर श्री पालेड और श्री तोतागन्ती तुरन्त नाले की ओर भागे किन्तु अब तक नाला भर चुका था। श्री पालेड ने श्री नायक तथा उसके बच्चों को नाले में पकड़ लिया और नाले के किनारे की झाड़ियों तक खींचने में सफल हो गए तथा अपने जीवन को अत्यधिक संकट में डालकर 8-30 बजे रात तक झूझते रहे, जब तक कि बाढ़ का पानी उतर नहीं गया। इसके बाद उन्होंने नाले को पार किया। अपने जीवन को भीषण संकट मे डाल कर श्री पालेड ने श्री नायक के परिवार के सदस्यों का जीवन बचाया।

8. श्री खेमजी कृष्ण जवाकर,
सामाजिक कार्यकर्त्ता, करवार (मैसूर)।

8 अगस्त, 1968 को, बैथकोल बन्दरगाह पर लगभग 50 आदमी नारली पूर्णिमा दिवस मना रहे थे और समुद्र में नारियल विसर्जित कर रहे थे। बैथकोल बन्दरगाह पर उपस्थित स्टीम नेवीगेशन कम्पनी का एक कर्मचारी श्री रघुनाथ गजीकर उन नारियलों को पकड़ने के लिए समुद्र में कूदा जो लगभग 25 गज की दूरी पर तैर रहे थे। जब वह लगभग आधी दूरी ही तय कर पाया था कि थक गया तथा सहायता के लिए चिल्लाया और अचानक पानी में अदृश्य हो गया। सहायता पहुंचाने के लिए वहां कोई नौका भी नहीं थी। इसके अतिरिक्त अंधेरा हो चला था और बन्दरगाह पर खड़े दर्शकों ने उसे बचाने का साहस नहीं किया क्योंकि बन्दरगाह के समीप समुद्र गहरा तथा खतरनाक था। ऐसे अवसर पर कोडीबाग के श्री खेमजी कृष्ण जवाकर जो भीड़ में उपस्थित थे, तुरन्त समुद्र में कूद पड़े और तैरकर उस स्थान पर पहुंचे। तब तक डूबने वाला व्यक्ति पानी में नीचे जा चुका था। अपने जीवन को संकट में डाल कर, श्री जवाकर ने उस स्थान पर डुबकी लगाई, श्री गजीकर की खोज की और उसे बन्दरगाह पर ले आए।

9. श्री रामचन्द्रन सेतुरमन,
सं० 15, कोटीश्वरन, ईस्ट स्ट्रीट,
किलाक्कोट्टायूर, कुम्बाकोणम (तमिल नाडु)।

2 सितम्बर, 1967 को कुम्बाकोणम हाई स्कूल का 14 वर्षीय विद्यार्थी श्री दिलीप कुमार उर्फ गोविन्दराज अपनी मां के साथ कावेरी नदी पर गया था, वहां नहाने के घाट से फिसल कर गहरे पानी में गिर गया और नदी के तेज बहाव में बह गया। गवर्नमेन्ट कालेज, कुम्बाकोणम के बी० एससी० (तृतीय वर्ष) के एक छात्र श्री आर० सेतुरमन नदी पर उपस्थित थे, और उन्होंने बालक को तेज गहरे पानी में जीवन के लिए संघर्ष करते देखा। उन्होंने नदी में छलांग लगाई और अत्यन्त कठिनाई से बालक को बचा लिया। यदि श्री आर० सेतुरमन साहसिक कार्य न करते तो बालक दिलीप कुमार डूब गया होता।

नागेन्द्र सिंह,
राष्ट्रपति के सचिव

समाज कल्याण विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 5 सितम्बर 1969

संकल्प

सं० एफ० 1-14/69-एस० डब्ल्यु-3—समाज कल्याण विभाग के दिनांक 22-4-1969 के संकल्प सं० एफ० 1-16/69-एस० डब्ल्यु-3, जिसके द्वारा केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड (कम्पनी) के सामान्य निकाय का गठन किया गया था, का आंशिक संशोधन करते हुए भारत सरकार श्री पी० डी० शुक्ल, संयुक्त शिक्षा सलाहकार, शिक्षा मंत्रालय, के स्थान पर शिक्षा और युवक सेवा मंत्रालय के संयुक्त सचिव, श्री टी० आर० जयरामन को बोर्ड में शिक्षा और युवक सेवा मंत्रालय का प्रतिनिधि सहर्ष नामांकित करती है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रतिलिपि इनको भेजी जाय :—

1. केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के सब सदस्य।
2. सब राज्य सरकारें/संघ क्षेत्र।
3. भारत सरकार के सब मंत्रालय/विभाग।
4. राष्ट्रपति सचिवालय।
5. मंत्री परिषद सचिवालय।
6. योजना आयोग।
7. लोक सभा/राज्य सभा/प्रधान मंत्री सचिवालय।
8. प्रेस सूचना ब्यूरो।
9. केन्द्रीय राजस्व के महालेखाकार, नई दिल्ली।
10. कम्पनी कार्य विभाग।
11. कम्पनियों का रजिस्ट्रार, नई दिल्ली।
12. क्षेत्रीय निदेशक, कम्पनी ला बोर्ड, कानपुर।
13. सचिव, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड नई दिल्ली (50 अतिरिक्त प्रतियों के साथ)।
14. राज्य समाज कल्याण सलाहकार बोर्डों के सब अध्यक्ष।

आदेश किया जाता है कि संकल्प की प्रतिलिपि, आम जानकारी के लिए, भारत के राजपत्र में प्रकाशित हो।

बी० एस० रामदास, उप सचिव

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नयी दिल्ली, दिनांक 30 अगस्त 1969

संकल्प

सं० 4-74/69-भूमि—भारत सरकार ने निश्चय किया है कि खाद्य, कृषि सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय (कृषि विभाग) के संकल्प संख्या 6-6/67-जनरल 2, 27 जुलाई 1967 के अन्तर्गत स्थापित की गयी भूमि अर्जन पुनर्विचार समिति के सदस्य के रूप में श्री के० एस० सिवा सुब्रह्मनियन के स्थान पर श्री पी० के० नम्बयार, राजस्व सचिव, तामिल नाडु कार्य करेंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रतिलिपि भूमि अर्जन पुनर्विचार समिति के अध्यक्ष तथा सदस्यों को भारत सरकार के समस्त मंत्रालयों, विभागों, प्रधान मंत्री, सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, योजना आयोग, मंत्रिमन्डल सचिवालय, भारत सरकार के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक, समस्त राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के राजस्व सचिवों, खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय (कृषि विभाग) के समस्त संलग्न तथा अधीनस्थ कार्यालयों, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, संसद पुस्तकालय, तथा समस्त राज्य सरकारों तथा संघ राज्य क्षेत्रों को भेजी जायें।

आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सामान्य जानकारी के लिए भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

शरण सिंह, संयुक्त सचिव

संकल्प

नयी दिल्ली-1, दिनांक 3 सितम्बर 1969

सं० 5-1/67-मशीनरी—इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 5-1/67-मशीनरी, दिनांक 11 जुलाई, 1969, के अनुच्छेद 1 में जिसमें कृषि मशीनरी और उपकरण मण्डल के पुनर्गठन को अधिसूचित किया गया है, क्रम संख्या 23 के उपरान्त निम्न को जोड़ दिया जाये :—

24. श्री बी० आर० सुले, सर्वश्री महिन्द्रा और महिन्द्रा लिमिटेड, गेटवे बिल्डिंग, अपोलो बन्दर, बम्बई-1।
25. श्री ए० शिवासेलम, अध्यक्ष ट्रैक्टर और फार्म उपकरण लिमिटेड मद्रास।
26. श्री वी० टी० वेलू, निदेशक, वी० एस० टी० मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर।
27. प्रबन्ध निदेशक, राजकीय फार्म निगम, नई दिल्ली।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक एक प्रति समिति के सभी सदस्यों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, प्रधान मंत्री सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, योजना आयोग, मंत्रिमन्डल सचिवालय, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, समस्त राज्यों

और संघ राज्य क्षेत्रों के कृषि सचिव, खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय (कृषि विभाग) के समस्त संलग्न और अधीनस्थ कार्यालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, संसद पुस्तकालय (5 प्रतियां) और समस्त राज्य और संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों को प्रेषित की जायें।

आदेश दिया जाता है कि संकल्प भारत के राजपत्र में सामान्य जानकारी के लिये प्रकाशित किया जाये।

अयोध्या प्रकाश, संयुक्त सचिव

संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1969

सं० 25(16)/68—बीज विकास—तराई बीज विकास परियोजना की प्रगति का पुनरीक्षण करने और भारत सरकार को सलाह देने और सम्पर्क स्थापित करने के लिये स्थापित सलाहकार समिति को इसी संख्या के संकल्प दिनांक 19 अप्रैल, 1969 के पैरा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अन्तर्गत समिति ने 23 जुलाई 1969 को हुई अपनी पहली बैठक में अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राजकीय बिजली मंडल तथा निदेशक, आर्थिक कार्य विभाग, भारत सरकार (तराई बीज विकास परियोजना का कार्य करने वाले) को सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त करने का निश्चय किया।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति समिति के सभी सदस्यों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, प्रधान मंत्री सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, योजना आयोग, मंत्रीमंडल सचिवालय, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के कृषि सचिवों, खाद्य कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय (कृषि विभाग) के समस्त संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, संसद पुस्तकालय, (5 प्रतियां) और समस्त राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों को भेजी जायें।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र सामान्य जानकारी के लिये काशित किया जाये।

सै० मु० हु० बर्नी, संयुक्त सचिव

सिंचाई व बिजली मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1969

संकल्प

सं० वि० का० पांच-511(39)/68—इस मंत्रालय के इसी संख्या के संकल्प, दिनांक 19 नवम्बर, 1968 और 5 मार्च, 1969 के अनुक्रम में भारत सरकार 1968 में उत्तर बंगाल में आई भूतपूर्व बाढ़ों के दौरान बड़े पैमाने पर जो क्षति हुई और संचार सेवाएं ठप हो गईं, उनकी पुनरावृत्ति को रोकने के लिये, आवश्यक प्रतिकारात्मक उपाय ढूंढ निकालने के उद्देश्य से गठित की गई तकनीकी समिति द्वारा अन्तिम रिपोर्ट प्रस्तुत किये जाने की अवधि को 31 अक्तूबर, 1969 तक बढ़ाती है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए और इसकी एक-एक प्रतिलिपि उन सब को, जो इस से सम्बन्ध रखते हैं, भेज दी जाए।

यह आदेश भी दिया जाता है कि पश्चिम बंगाल सरकार से अनुरोध किया जाए कि वे भी आम सूचना के लिये राज्य के राजपत्र में प्रकाशित कर दें।

पी० आर० आहूजा, संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 9th September 1969

No. 48-*Pres.*/69.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Assam Police :—

Names of the officers and ranks.

1. Shri Phatik Chandra Gogoi,
   Sub-Inspector of Police,
   4 Assam Police Battalion,
   Assam.

2. Shri Kamaleswar Bora,
   Naik,
   4 Assam Police Battalion,
   Assam.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 12th December, 1968, information was received at Khangam Border Outpost in the United Mikir and North Cachar Hills District that a gang of about 200 hostiles, armed with modern automatic weapons, was likely to cross over to Pakistan. Sub-Inspector of Police Phatik Chandra Gogoi immediately set out with a patrol, comprising of 2 Havildars and 19 Constables, to intercept the hostiles. The Police party lay in ambush on the west side of Gopikot village from 17.15 to 22.15 hours when the gang was seen approaching. Sub-Inspector Gogoi waited till the gang was within range and then ordered Naik Kamaleswar Bora to open fire. The hostiles returned the fire and a lively encounter ensued. Under cover of the darkness, one of the hostiles stealthily advanced on the police party and was at the point of shooting Naik Bora when the latter saw him. Naik Bora quickly turned his sten gun on the hostile and when its mechanism failed courageously rushed the hostile and hit him with it. Naik Bora then seized the hostile's rifle. Meanwhile Sub-Inspector Gogoi came to the Naik's assistance and grappled with the hostile but the latter managed to free himself and by jumping into a gorge made good his escape. The party of hostiles withdrew and their plan to cross over to Pakistan was foiled.

In this encounter with a numerically superior gang of armed hostiles, Sub-Inspector Phatik Chandra Gogoi and Naik Kamaleswar Bora showed exceptional courage and gallantry of a high order.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 12th December, 1968.

No. 49-*Pres.*/69.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Delhi Police :—

Name of the officer and rank

Shri Sardar Singh,
Constable No. 377/Security,
Delhi Police,
Delhi.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 7th November 1966, Constable Sardar Singh was on security guard duty at the residence of the Congress President, Shri Kamaraj, in Jantar Mantar Road, New Delhi.

At about 2.00 p.m. some agitators, armed with lathis, crackers and other incendiaries, detached themselves from a procession passing that way and forced their way into the compound bent on mischief. Hopelessly outnumbered as he was, Constable Sardar Singh bravely grappled with the miscreants to keep them out, but could not hold the mob which set fire to a portion of Shri Kamaraj's residence. Despite the dangerous situation in which Constable Sardar Singh found himself, he remained faithfully at his post until police help arrived and so prevented any harm coming to Shri Kamaraj himself.

Constable Sardar Singh displayed a high sense of devotion to duty and exemplary gallantry in facing and dealing with an aggressive and riotous mob at grave risk to his life.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 7th November, 1966.

The 11th September 1969

No. 50-*Pres.*/69.—The following amendments approved by President to the Table of Precedence published in Notification No. 11-Pres./68, dated the 28th February, 1968, as amended up to date, are published for general information :—

(a) *In Article* 19—

Delete the entries "*Visiting Class I Ambassadors of India" and "*Visiting Class I High Commissioners of India and".

(b) *In Article* 28—

Substitute the entry "Visiting Grade I Ambassadors and High Commissioners of India" *for* the entry "*Visiting Class I and Class II Ambassadors and High Commissioners of India".

(c) *In Article* 30—

Substitute the entry "Visiting Grade II Ambassadors and High Commissioners of India" *for* the entry "Visiting Class III Ambassadors and High Commissioners of India".

(d) *In Article* 32—

Substitute the word "Grade" *for* the word "Class".

(e) *For* existing foot-note 5 *substitute* the following :—
"Ministry of External Affairs may assign to a Visiting Ambassador/High Commissioner a higher rank, not above Article 19, when he accompanies the head of State/Government of the country to which he is accredited".

No. 51-*Pres.*/69.—The President is pleased to approve the award of SARVOTTAM JEEVAN RAKSHA PADAK, to the undermentioned person for conspicuous courage under circumstances of very great danger to his own life :—

SHRI KALLUPURACKAL KUTTY PURUSHOTHAMAN *alias* GOPIDAS,
Kallupurackal House, Kannady Muri,
Chennamkary village, Kuttanad Taluk,
Kerala. (*Posthumous*)

On the evening of 3rd July, 1968, Shri K. K. Purushothaman *alias* Gopidas was transporting 21 women labourers in his vallom (country craft) on the R-Block kayal (lake) in Kuttanad Taluk. There had been heavy rain that day and the rivers were in spate. At about 5.30 p.m., there was a strong gale and the waves in the kayal became very high. The vallom was being manoeuvred with great difficulty and when Shri Gopidas attempted to row to the shore, the boat capsized near Chennamkary Village. Shri Gopidas was the only man in the vallom. Single-handed he succeeded in rescuing 18 of the women and bringing them to the shore. He again entered the water and made desperate effort to find the remaining three ignoring the distinct danger to his own life. In the attempt he lost his own life.

The heroic efforts of Shri Gopidas made it possible to save the lives of 18 women workers and his subsequent attempt to save the remaining three passengers of the boat was an act of most conspicuous courage and devotion.

No. 52-*Pres.*/69.—The President is pleased to approve the award of the UTTAM JEEVAN RAKSHA PADAK to the undermentioned persons for courage and promptitude under circumstances of great danger to their own lives :—

1. SHRI KONDA SATYANARAYANA,
Supervisor, No. 3, Sub-Division,
Material Division, Sarisailam Project,
District Kurnool, Andhra Pradesh.

During the excavation of the foundations of the Srisailam Project in the bed of the Krishna river in 1968, several pumps were installed for dewatering. The excavations were being carried out at depths ranging from 70 to 80 feet. As the pumps were frequently getting filled with sand, Mopla workers engaged for removing the sand by diving into 6 feet depth of water. On the 4th May, 1968, one workers was rendered unconscious by an electric shock and was drowing in the well of the pump. His co-workers did not venture to enter into the rising water to rescue him. Seeing this, Shri Konda Satyanarayana, a Supervisor in the Project jumped into the pump well and pulled out the worker saving his life.

In saving the life of a fellow worker, Shri Satyanarayana has shown conspicuous courage, promptitude and presence of mind. The gallant act was performed under circumstances of great danger to his own life.

2. SHRIMATI BACHAN DEVI,
Wife of Shri Bag Singh,
Village Bhet Sem (Narainkoti),
Post Office Guptakashi,
Tehsil Ukhimath, District Chamoli,
Uttar Pradesh.

On February 11, 1968 Shrimati Sobati, Shrimati Rukmani and Shrimati Sarodani accidentally fell into the river Mandakini while crossing a log bridge, used for bringing grass and fuel from the other side of the river. The river was flowing between boulders in a very swift current and the water was ice-cold. Shrimati Bachan Devi, who by chance was near the bridge jumped into the river even though she did not know how to swim and pulled out Shrimati Sobati and Shrimati Rukmini. Leaving them at a safe place she ran along the river bank to rescue the third woman, Shrimati Sarodani, but she had by then disappeared in the fast current. The condition of Shrimati Rukmini was serious and she died while Shrimati Bachan Devi was carrying her home on her back. Shrimati Bachan Devi performed this humane act with little consideration for herself and at great risk to her own life.

3. SHRI BHAGIRATH PRASAD ROY,
Village Tilpara, Post Office Suri,
District Birbhum,
West Bengal.

On the 26th August, 1967, at about 5 p.m. two Santhal girls while engaged in transplantation work in a plot of land near the river Kuey in Birbhum district saw some bundles of paddy seedlings floating down the river. The girls in their attempt to get hold of the seedlings were caught in the current of the flood water and were being swept away. Shri Bhagirath Prasad Roy and a few other students of a local college who were on an afternoon stroll, saw the girls being carried away by the flood water. Without losing a moment Shri Roy rushed to the river bank, jumped into the river and after swimming a distance of about 15 years, reached one of the girls. She made a frantic attempt to clasp him but with great alacrity and pluck, he succeeded in dragging her to safety. Putting the girl on the bank, Shri Roy again dived deep into the water and made a frantic search for the other girl and after great effort he caught her and brought her ashore. The girl had lost her consciousness by then but after first aid was rendered she revived. Both girls would have drowned but for the conspicuous courage displayed by Shri Roy.

4. SHRI GOPAL CHANDRA MAJUMDAR,
Itachuna, Post Office Itachuna,
District Hooghly, West Bengal. (*Posthumous*)

On the 16th November, 1966, when Shri Gopal Chandra Majumdar was passing by the Khanyan Railway Station, he saw two boys playing on the railway track. A train was fast approaching the boys. Shri Gopal Chandra immediately rushed forward and was able to pull out one of them away from the track but in doing so he himself was run over by the train and killed. Shri Gopal Chandra gave his life in a gallant and courageous effort to save the children.

5. CAPT. HARGURDIAL SINGH (TA-40858),
Haveli Sir Deva Singh, Trebeni,
Patiala,
Punjab. (*Posthumous*)

On the 20th June, 1968, Captain Hargurdial Singh with his family and friends halted at Bhakra canal when on their way to Patiala. While going round the canal area, Shrimati Burbax Kaur, a member of the party accidentally slipped and fell into the canal. Capt. Hargurdial Singh without a moment's hesitation dived into the canal to save the lady who was drowning. Twice, he managed to bring her to the side but as the canal banks were cemented and had a steep gradient, he could not get a hold. As no other timely assistance could be rendered, both of them were carried away by the fast flowing water and lost their lives.

Captain Hargurdial Singh made the supreme sacrifice of his life in his attempt to save the life of a drowning lady.

No. 53-*Pres.*/69.—The President is pleased to approve the award of the JEEVAN RAKSHA PADAK, to the undermentioned persons for courage and promptitude in saving life at the risk of grave bodily injury to themselves :—

1. SHRI FRANCISCO ANTONIO CARDOZO,
C/O Babani Pharmacy, Panaji (Goa).

On the 15th February, 1969 evening a large crowd was watching the celebrations of Carnival Festival in the Municipal Garden at Panaji. At a corner of the garden there was a well with its top covered except for a small square hole of 2′ × 2′ for drawing water which had remained open. At about 6.54 p.m., Nigel, a 5 year old boy who was watching the entertainment standing on the top of the well, in his excitement, slipped into this opening and fell into the well. Though a crowd gathered round the well, nobody dared enter the well to save the boy. Shri Francisco Antonio Cardozo who happened to come there on hearing the alarm, immediately jumped into the well through the small opening unmindful of the fact that he might be suffocated and was risking his own life. Even though there was complete darkness in the well, by his prompt and courageous act Shri Cardozo saved the boy at great risk to himself.

2. SHRI ISHWARBHAI BECHARBHAI PATEL,
Village Naria, Taluk Dabhoi,
District Baroda (Gujarat). (*Posthumous*)

Owing to heavy rains in August 1968 the tank in village Naria, Taluka Dabhoi, District Baroda has burst its banks. The safety of the lives and property of the villagers depended on closing the breaches at once. Shri Ishwarbhai Becharbhai Patel who was Upnaik of Gram Rakshak Dal (Rural Home Guards) took up the challenge and at great personal risk helped in plugging the breach standing for two and a half hours in the strong and swift current flowing through the breach until he collapsed. He was taken to his residence in an unconscious state where unfortunately he died. He gave up his life in a gallant effort to save the villagers and their property.

3. SHRI ABDUL GHANI MALIK,
Village Malik Bela, Tehsil Kupwara,
District Baramulla (Kashmir).

At Ringpain in Jammu and Kashmir on 16th March, 1968, Shri Abdul Ghani Malik heard a soldier shout for help and rushed to the scene. He found that a military doctor had been caught in the current of a swift-flowing hill stream and carried away. The treacherous terrain and freezing temperature of the water of the flooded stream could have mean death to him, but Shri Malik with complete disregard to his personal safety straightaway jumped into the stream and kept on diving and struggling in the cold water till he bumped into the sub-merged body of the doctor. He quickly grabbed him and with the help of a military jawan, succeeded in bringing the body out of the water.

In his daring effort to save the doctor, Shri Abdul Ghani Malik displayed courage and promptitude at great risk to himself.

4. SHRI ELLIKKAL AUGUSTHY AUGUSTHY,
Village Payam and Desom, Edoor,
Post Payam (via) Iritty, Taluk Tellicherry (Kerala).

On the 12th July, 1968, at about 4.30 p.m. when the students of St. Sebastian's L. P. School, Nellicampoyil were returning to their houses, a girl named Valsamma, slipped and fell into a jungle stream while crossing it by an improvised bridge and was washed away by the strong current. At that place the stream was flowing deep between two hills with rocky banks. The current was very fast on account of heavy rains. On hearing shouts from the other children, Shri Augusthy, who was coming behind the children, jumped into the stream without the least hesitation and in complete disregard of his personal safety. With great difficulty, he managed to bring the child to the bank about 100 yards downstream.

The girl would have been drowned but for the conspicuous courage and promptitude displayed by Shri Augusthy.

5. SHRI MATTATHIL VARUTHU JOSEPH,
Mattathil Veedu, Thekkam Malipuram,
Cochin-1.

On the 4th March, 1968, when the motor boat "Komalakumari" belonging to the Water Transport section of the Kerala State Road Transport Corporation was carrying passengers from the Embarkation Jetty at Mattancherry to Ernakulam, a girl accidentally slipped and fell into the deep waters. Shri M. V. Joseph, Deckman of the ferry boat at once jumped into the deep water and at great personal risk to his own life, rescued the girl from drowning.

On the 3rd January, 1966 when the motor boat "Kerala-kumari" was plying from Murikumpadom to Ernakulam, a passenger while boarding the boat from the Murikumpadom Jetty slipped and fell into the water. Seeing this, Shri Joseph immediately jumped in and with the help of another member of the crew, saved the passenger from drowning. Again on the 10th November, 1966 when the motor boat "Lucky" was proceeding from Mattancherry to Terminus Jetty in Wellington Island, the crew saw at a distance a countrycraft with six passengers caught in wind and all the passengers thrown into the backwarters. The crew of the boat including Shri Joseph at once directed the boat to the scene of accident and saved all the passengers from drowning.

Shri Joseph has displayed conspicuous courage in a series of acts in saving lives.

6. SHRI LOUIS THOMAS,
"Mary Sadan", Nalanchira,
Trivandrum.

On the 30th August, 1968 at about 6.00 p.m., a 75 year old woman, Shrimati Karthika of Kanjirampara House, Nalanchira, Trivandrum, accidentally fell into a well situated in the backyard of her house. Shri Louis Thomas, a 12 year boy who was standing at a distance, saw this and rushed to the well and leapt into it in order to save her. In the meanwhile people rushed to the place and helped the boy in bringing her out of the well. Shrimati Karthika would have been drowned but for the courage, promptitude and presence of mind displayed by Shri Louis Thomas.

7. SHRI SHAMBHULINGRAJ SOMAPPA PALLED,
Assistant Agricultural Officer,
Bund Maintenance, C/o Sub-Divisional Soil Conservation Office, Dharwar.

On the 2nd October, 1966, the Block Development Officer Mundargi, S.E.O., Shri V. V. Totaganti and Shri S. S. Palled with other staff had visited Murdi Tanda on official duty. During this visit, one Shri H. R. Naik, Labour Officer, took them to his field which was at a distance of one mile from Murdi Tanda. At about 7 p.m. heavy rains started while they were returning to Murdi Tanda. On the way a Nala had to be crossed. Shri S. S. Palled and Shri V. V. Totaganti had crossed the Nala, but Shri H. R. Naik's father and his three children who were following them were caught in sudden floods rushing down the Nala. Immediately on hearing shots of Shri Naik's family Shri Palled and Shri Totaganti rushed back to the Nala but by this time the Nala was full. Shri Palled caught hold of Shri Naik and his children in the Nala and managed to drag them into a bush in the bed of the Nala and struggled there till 8.30 p.m. at great risk of his personal safety until the sudden flood subsided. Thereafter they crossed the Nala. Shri Palled saved the lives of Shri Naik's family at great risk to his own life.

8. SHRI KHEMAJI KRISHNA JAWAKAR,
Social Worker, Karwar (Mysore).

On the 8th August, 1968 about 50 persons were celebrating the Narali Pornima day on the Baithkol Dock when cocoanuts

were thrown into the sea. Shri Raghunath Gazinkar an employee of Steam Navigation Co., who happened to be at the Baithkol Dock took a jump into the sea to collect the cocoanuts which were floating at a distance of about 25 yards. When he had covered just half the distance he was exhausted and cried for help and suddenly disappeared into the water. There was no boats to render any help to him. Besides it was getting dark and people watching him from the dock did not venture to rescue the person as the sea at the dock was deep and risky. At this juncture, Shri Khemaji Krishna Jawakar of Kodibag who was also among the gathering, jumped into the sea and swam to the spot. The drowning man had by then gone deep. At great risk to his own life, Shri Jawakar dived at the spot, searched for Shri Gazinkar and brought him to the dock.

9. SHRI RAMACHANDRAN SETHURAMAN,
No. 15, Kotteeswaran, East Street,
Keelakkottayur, Kumbakonam (Tamil Nadu).

Shri Dilop Kumar *alias* Govindaraj, a 14 year student of a local High School, Kumbakonam, who went to the Cauvery river with his mother on the 2nd September, 1967 slipped at the bathing ghat, fell into the deep waters and was washed away by the swift current of the river. Shri R. Sethuraman, a student of B.Sc. (3rd year) of Government College, Kumbakonam who had been to the river, noticed the boy struggling for his life in the swift deep waters. He jumped into the river and saved the boy with great difficulty. But for the daring act of Shri R. Sethuraman, the boy Dilop Kumar would have been drowned.

NAGENDRA SINGH, Secy. to the President

DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE

RESOLUTION

New Delhi-1, the 5th September 1969

No. F. 1-14/69-*S.W.*3.—In partial modification of the Department of Social Welfare's Resolution No. F. 1-16/69-S.W.3, dated the 22-4-69 constituting the General Body of the Cenral Social Welfare Board (Company), the Government of India are pleased to nominate Shri T. R. Jayaraman, Joint Secretary in the Ministry of Education and Youth Services, as the representative of the Ministry of Education and Youth Services, on the Board, *vice* Dr. P. D. Shukla, Joint Educational Adviser, Ministry of Education.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to :—

1. All the members of the CSWB.
2. All State Governments/Union Territories.
3. All Ministries/Departments of Government of India.
4. President's Secretariat.
5. Cabinet Secretariat.
6. Planning Commission.
7. Lok Sabha/Rajya Sabha Sectt./P.M's Sectt.
8. Press Information Bureau.
9. Accountant General, Central Revenue, New Delhi.
10. Department of Company Affairs.
11. Registrar of Companies, New Delhi.
12. Regional Director, Company Law Board, Kanpur.
13. Secretary, CSWB, New Delhi (with 50 spare copies).
14. All Chairman, State Social Welfare Advisory Boards.

ORDERED also that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. S. RAMDAS, Dy. Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

RESOLUTION

New Delhi-1, the 6th September 1969

14. Dr. D S. Kothari, Chairman, University Grants Committee with Home Minister as Chairman was set up by the Government of India *vide* their Resolution No. 2/2/65-ER(CD) dated the 13th August, 1965, to review and to advise on matters relating to Civil Defence and Home Guards. Government have now decided to reconstitute this Committee as under :—

Chairman

1. Shri Y. B. Chavan, Union Home Minister, New Delhi.

Members

2. Shri B. P. Chaliha, Chief Minister, Assam, Shillong.
3. Shri Hitendra Desai, Chief Minister, Gujarat, Ahmedabad.
4. G. M. Sadiq, Chief Minister, Jammu & Kashmir, Srinagar.
5. Shri V. P. Naik, Chief Minister, Maharashtra, Bombay.
6. Shri Gurnam Singh, Chief Minister, Punjab, Chandigarh.
7. Shri P. C. Sethi, Minister of State in the Ministry of Finance, New Delhi.
8. Shri Damodar Lal Vyas, Home Minister, Rajasthan, Jaipur.
9. Shri Ajit Pratap Singh, Minister for Jails & Civil Defence, Uttar Pradesh, Lucknow.
10. Shri Golam Yazdani, Minister for Civil Defence, West Bengal, Calcutta.
11. Shri K. S. Ramaswamy, Deputy Minister, Ministry of Home Affairs, New Delhi.
12. Shri M. R. Krishna, Deputy Minister, Ministry of Defence, New Delhi.
13. Shri T. P. Singh, Adviser to the Governor of Bihar, Patna.
14. Dr. D. S. Kothari, Chairman, University Grants Commission, Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi.
15. Dr. Vikram A. Sarabhai, Chairman, Atomic Energy Commission, Apollo Pier Road, Bombay.
16. Lt. Gen. S. P. P. Thorat (Retd.), Kohlapur.
17. Shri M. J. B. Maneckji, Commandant General Home Guards & Director of Civil Defence, Maharashtra, Bombay.

Member-Secretary

18. Lt. Gen. R. N. Batra, Director General of Civil Defence, New Delhi.

2. The functions of the Committee will be as follows :—

(a) To review the progress and problems of Civil Defence and Home Guards Organisations, and

(b) to consider recommendations for making these organisations more effective.

3. The headquarters of the Committee shall be at New Delhi.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be sent to :—

1. Members of the Advisory Committee.
2. The Ministries/Departments of the Government of India.
3. The Chief Secretaries to all State Governments and Union Territories Administrations.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

J. C. AGARWAL, Jt. Secy.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

(Company Law Board)

ORDER

New Delhi-1, the 10th September 1969

No. 54/2/69-CL.II.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (b) sub-section (4) of Section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Company Law Board hereby authorises the under-mentioned Officers of the Government of India, in the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Company Affairs) for the purpose of the said section 209.

1. Shri A. R. Khare, Joint Director, Inspection, Calcutta
2. Shri K. B. Narasimham, Deputy Director, Inspection, Calcutta.
3. Shri A. K. Chanda, Inspecting Officer, Calcutta.

S. S. SINGH, Under Secy.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Agriculture)

RESOLUTION

New Delhi, the 30th August 1969

No. 4-74/69-Lands.—The Government of India have decided that Shri P. K. Nambiar, Revenue Secretary, Government of Tamil Nadu, will act as a Member of the Land Acquisition Review Committee, constituted under the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Department of Agriculture)'s Resolution No. F. 6-6/67-Genl.II, dated the 27th July, 1967 in place of Shri K. S. Sivasubrahmanyan.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be forwarded to the Chairman and Members of the Land Acquisition Review Committee, All Ministries/ Departments of the Government of India, the Prime Minister's Secretariat, the President's Secretariat, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, Revenue Secretaries of All States and Union Territories, all attached and Subordinate Offices of the Ministry of Food, Agriculture, Community Development & Cooperation (Department of Agriculture), the Lok Sabha Secretariat, the Rajya Sabha Secretariat, Parliament Library (5 copies) all State Governments and Union Territories.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

SARAN SINGH, Jt. Secy.

RESOLUTION

New Delhi, the 3rd September 1969

No. 5-1/67-MY.—In para I of this Ministry's Resolution No. 5-1/67-MY, dated the 11th July, 1969, notifying the reconstitution of the Board of Agricultural Machinery and Implements, the following be added after Serial No. 23 :—

24. Shri B. R. Sule, M/s. Mahindra & Mahindra Ltd., Gateway Building, Apollo Bunder, Bombay-1.
25. Shri A. Sivasailam, Chairman, Tractors and Farm Equipment Ltd., Madras.
26. Shri V. T. Velu, Director, V.S.T. Motors Pvt. Ltd., Bangalore.
27. Managing Director, State Farms Corporation, New Delhi.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be forwarded to all Members of the Committee, all Ministries/Departments of the Government of India, The Prime Minister's Secretariat, the President's Secretariat, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, Agriculture Secretaries of all States and Union Territories, All Attached and Subordinate Offices of the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation, (Department of Agriculture), the Lok Sabha Secretariat, The Rajya Sabha Secretariat, Parliament Library (5 copies) and all State Governments and Union Territories.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

A. PRAKASH, Jt. Secy.

RESOLUTION

New Delhi, the 6th September 1969

No. 25(16)/68-Seeds Dev.—Under the powers conferred to the Advisory Committee in para 4 of the Resolution of even number dated the 19th April, 1969, set up to review progress of the Terai Seed Development Project and provide advice and liaison with the Government of India, the Committee in its first meeting held on the 23rd July, 1969, decided to appoint the Chairman, Uttar Pradesh State Electricity Board and Director, Department of Economic Affairs, Government of India, (dealing with the Terai Development Project) as members of the Advisory Committee.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be forwarded to all Members of the Committee, all Ministries/Departments of the Government of India, the Prime Minister's Secretariat, the President's Secretariat, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, Agriculture Secretaries of all States and Union Territories, all Attached and Subordinate Offices of the Ministry of Food, Agriculture, Community Development & Cooperation (Department of Agriculture), the Lok Sabha Secretariat, the Rajya Sabha Secretariat, Parliament Library (5 copies) and all State Governments and Union Territories.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. M. H. BURNEY, Jt. Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES

New Delhi, the 5th September 1969

SUBJECT :—*Standing Committee of the National Council for Rural Higher Education.*

No. F. 1-3/69-U.4.—In continuation of this Ministry's Notification dated 8th May 1969 on the subject mentioned above, it is hereby notified that the Standing Committee of the National Council for Rural Higher Education has been reconstituted as under for a period of three years with effect from 1st July 1969 :—

Chairman

Shri S. Chakravarti, Secretary, Ministry of Education & Youth Services, (and Vice-Chairman of the National Council), New Delhi.

Members

Shri K. Arunachalam, Vice-Chairman, Khadi and Gram Udyog Commission, Gandhi Nidhi, Madurai-13.

Shri J. N. Mishra, Director, Rural Institute, Birouli, District Darbhanga (Bihar).

Dr. (Miss) S. Goindi, Principal, Kasturbagram Rural Institute, Indore (Madhya Pradesh).

Shri G. Ramachandran, M.P., Honorary Director, Gandhigram Rural Institute, Gandhigram, Madurai District (Tamil Nadu).

Dr. A. S. Adke, Vice-Chancellor, Karnatak University, Dharwar (Mysore).

Dr. M. S. Randhawa, Vice-Chancellor, Panjab Agricultural University, Ludhiana (Panjab).

Member-Secretary

Shri R. S. Chitkara, Deputy Educational Adviser, Ministry of Education & Youth Services, New Delhi.

SUBJECT :— *National Council for Rural Higher Education.*

No. 1. 1-4/69-*U*.4.—In continuation of this Ministry notification No. 1. 1-4 69-U.4. dated 14th August, 1969, on the subject mentioned above, it is hereby notified that Dr. R. K. Singh, Member, Board of Management, Rural Institute, Bichpuri, will represent the said Rural Institute on the National Council for Rural Higher Education *vice* Dr. S. N. Singh, Honorary Director of the Rural Institute, Bichpuri.

R. S. CHITKARA, Dy. Educational Adviser

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

RESOLUTION

New Delhi, the 2nd September 1969

No. 3 *T*(49)/68.—Shri T. N. Nagendra, Deputy Chief Engineer, Life Insurance Corporation of India, Bombay is nominated as a member of the Study Group on Wayside Amenities set up *vide* this Ministry's Resolution No. 3-T(49) 68, dated the 22nd February, 1969, in place of Shri B. Ramu.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned and also that it be published in the Gazette of India for general information.

K. NARAYANAN, Jt. Secy.

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

RESOLUTION

New Delhi, the 8th September 1969

*No. DW.V.*511(39)/68.—In continuation of this Ministry's Resolutions of even number dated the 19th November, 1968, and 5th March, 1969, Government of India is pleased to extend the period of submission of the final report by the Technical Committee, constituted to devise remedial measures necessary to avoid recurrence of large scale damage and disruption of communications that took place during the unprecedented floods in North Bengal in 1968, up to 31st October, 1969.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India and that a copy thereof be communicated to all concerned.

ORDERED also that the State Government of West Bengal be requested to publish it in the State Gazette for general information.

P. R. AHUJA, Jt. Secy.

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

RESOLUTION

New Delhi, the 5th September 1969

No. 10/31/68-*M.III.*—In continuation of this Ministry's Resolution No. 10/31/68-M.III, dated the 30th July, 1969, the following further amendment shall be made in this Ministry's Resolution No. 10/31/68-M.III, dated the 20th December, 1968, reconstituting the Central Advisory Board for Iron Ore Mines Labour Welfare Fund; namely :—

"In the said Resolution, in para 1, against Serial No. 1, under 'Members representing Employers' Organisations', for the existing entry, the following shall be *substituted*; namely :—

1. Shri P. G. N. Nampoothiri, Chief Finance Officer, National Mineral Development Corporation Limited, New Delhi".

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to :—

1. The Governments of Andhra Pradesh, Mysore, Madhya Pradesh, Maharashtra, Bihar, Orissa and Goa, Daman and Diu.
2. The Ministry of Steel, Mines and Metals, (Department of Mines and Metals), New Delhi.
3. All Members of the Board.
4. Employers' and Workers' Organisations concerned.
5. The Industrial Relations Officer, National Mineral Development Corporation Limited, 61, Ring Road, Lajpat Nagar, New Delhi-14, with reference to his letter No. 19(5)/66-Coordn. dated the 16th July 1969.
6. Shri P. G. N. Nampoothiri, Chief Finance Officer, National Mineral Development Corporation Limited, J-10, Jajpat Nagar III, New Delhi-24.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

C. R. NAIR, Under Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD
AND PUBLISHED BY THE MANAGER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1969